Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan

अध्याय-4 | सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. उत्साह कविता में कवि ने बादलों से क्या करने के लिए कहा है?

(अ) बादलों से गरजकर बरसने के लिए, जिससे धरती और लोगों की प्यास बुझ सकेगी
(ब) बरसने के लिए
(स) बाढ़ के हालात उत्पन्न करने के लिए
(द) भड़कने के लिए

2. निम्नलिखित रचनाओं में से कौन सी रचना सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित नहीं है?

(अ) कामायनी
(ब) अनामिका
(स) परिमल
(द) गीतिका

3. विश्व के सभी जन गर्मी और अन्याय से किस मनोदशा में थे? उत्साह कविता के आधार पर लिखिए।

(अ) व्याकुल और आशावादी
(ब) बारिश के इंतजार में
(स) बेचैन और अनमने
(द) प्रतीक्षा और बेचैनी

4. अट नहीं रही कविता के आधार पर लिखिए कि फागुन में प्रकृति में क्या-क्या बदलाव आते हैं?

(अ) पेड़ों से पुराने पत्ते झड़ने लगते हैं, पक्षी नाचते हैं, सुवासित हवा चलती है।
(ब) लाल-हरे नए पत्ते निकलते हैं, बारिश होती है, आँधी भी चलने लगती है।
(स) पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते आते हैं, चारों तरफ फूल खिल जाते हैं, सुवासित हवा चलती है।
(द) पक्षी कलरव करते हैं, उनके पर हवा में उड़ते हैं और सुवासित हवा चलती है।

5. घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ! पंक्ति में ध्वन्यात्मक प्रभाव से उत्पन्न सौंदर्य का नाम बताइए।

(अ) नाद सौंदर्य
(ब) अनुप्रास अलंकार
(स) सम्बोधन शैली
(द) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

6. कवि निराला अनुसार नूतन कविता कैसी होनी चाहिए?

(अ) समस्या सुलझाने वाली होनी
(ब) नवजीवन चेतना का संचार करने वाली होनी
(स) बादल गरजने वाली होनी
(द) प्रेम की कविता होनी

7. अट नहीं रही है कविता अनुसार फागुन माह का पेड़-पौधों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(अ) सम्पूर्ण प्रकृति तत्व जीवंत हो उठता है
(ब) वृक्ष रंग-बिरंगे फूलों से लद चुके हैं
(स) सभी विकल्प सही हैं
(द) चारों ओर बिखरा प्राकृतिक सौन्दर्य देखते ही बनता है

8. उत्साह कविता में कवि बादल की गर्जन के द्वारा क्या करना चाहता है?

(अ) समाज में कायरता
(ब) समाज में भय
(स) समाज में आलस्य
(द) समाज में उत्साह

9. उत्साह कविता में कवि बादलों को गरजने के लिए क्यों कहता है?

(अ) बादल विनाश का प्रतीक है
(ब) क्योंकि मानब गरजना से उत्साहित होता है
(स) सभी विकल्प सही हैं
(द) बादल क्रांति का प्रतीक है

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहां चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. अट नहीं रही है कविता अनुसार फाल्गुन ऋतु में वृक्षों के गले में पड़ी फूल-माला की विशेषता बताइए।

(अ) वृक्षों पर कहीं लाल कहीं हरे पत्ते हैं, चारों ओर हवा सुगन्धित वातावरण का संकेत दे रही है।

(ब) वृक्षों के रंग-बिरंगे फूल प्राकृतिक सौन्दर्य का संकेत दे रहे हैं।

(स) वृक्षों के गले में पड़ी फूलों की डालियाँ चारों तरफ फैली सुन्दरता का संकेत दे रही हैं।

(द) वृक्षों के हरे पत्तों की माला चारों तरफ हरियाली का संकेत दे रही है।

रिक्त स्थान :

11. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म ____________ में हुआ।

12. "अट नहीं रही है' कविता में ____________ का मानवीकरण किया गया है।

सत्य / असत्य

13. अट नहीं रही है का अर्थ है — महसूस नहीं हो रही है।

14. बादलों को कवि ने सेना का प्रतीक माना है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. वज्र छिपा का क्या तात्पर्य है —

16. कवि बादल से क्या प्रार्थना करता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. अट नहीं रही है कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

18. उड़ने को नभ में तुम, पर-पर कर देते हो' कथन में कवि क्या कहना चाहता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. यदि उत्साह कविता को कोई अन्य शीर्षक देना हो तो आप क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों?

20. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

बादल, गरजो !
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो
बादल, गरजो !

i. कवि बादलों से क्या आग्रह कर रहा है और क्यों?

ii. बादलों का सौंदर्य स्पष्ट करते हुए बताइए कि उनकी तुलना किससे की गई है।

iii. कवि के अनुसार नूतन कविता कैसी होनी चाहिए?

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए —**

अट नहीं रही है आभा फागुन की तन
सट नहीं रही है। कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो, उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो, आँख हटाता हूँ तो।
हट नहीं रही है। पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल, कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल, पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

21. (i) **कवि ने किस महीने की सुन्दरता का वर्णन किया है?**

(अ) सावन (ब) वसंत
(स) फागुन (द) ग्रीष्म

21. (ii) **पाट-पाट शोभा-श्री पट नहीं रही है' पंक्ति में पाट-पाट का क्या अर्थ है?**

(अ) जगह-जगह (ब) समाना
(स) प्रकृति (द) बादल

21. (iii) **साँस लेना किस स्थिति का परिचायक है?**

(अ) सुगंधित हवाओं का (ब) जिंदा रहने का
(स) बादल गरजने का (द) जगह का

21. (iv) **शोभा-श्री का क्या अर्थ है?**

(अ) प्रकृति (ब) सौन्दर्य से भरपूर
(स) सौन्दर्य (द) जगह-जगह

21. (v) **किस पर से आँख नहीं हटती है?**

(अ) फागुन की आभा (ब) सुगंधित हवाओं
(स) वसंत की सुंदरता (द) रंग-बिरंगी पत्तियों

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय–4 | सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (अ) बादलों से गरजकर बरसने के लिए, जिससे धरती और लोगों की प्यास बुझ सकेगी।
2. (अ) कामायनी जयशंकर प्रसाद द्वारा रची गई है, इसे आधुनिक महाकाव्य कहा जाता है।
3. (स) बेचैन और अनमने।
4. (स) पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते आते हैं, चारों तरफ फूल खिल जाते हैं, सुवासित हवा चलती है।
5. (अ) 'घेर' शब्द का प्रयोग पंक्ति में ध्वन्यात्मक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है। इस प्रभाव को नाद सौंदर्य कहा जाता है। शब्द का प्रयोग पंक्ति में तैनात में प्रभाव उत्पन्न कर रहा है। इस प्रभाव को नाद सौंदर्य कहा जाता है।
6. (द) कवि के अनुसार नई कविता नवजीवन चेतना का संचार करने वाली होनी चाहिए ताकि लोग जागरूक हों।
7. (स) सभी विकल्प सही हैं।
8. (द) कवि बादलों के गर्जन से शोषित समाज में उत्साह भरना चाहता है।
9. (द) कवि के अनुसार बादल क्रांति का प्रतीक है और लोगों को जाग्रत करने के लिए हुंकार या गर्जन आवश्यक है।
10. (द) वृक्षों के हरे पत्तों की माला चारों तरफ हरियाली का संकेत दे रही है।
11. **रिक्त स्थान :** सन् 1899 में।
12. **रिक्त स्थान :** फाल्गुन मास का।
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. बादलों के अन्दर ही बिजली की कड़क छिपी हुई है।
16. ग्रीष्म के ताप से दग्ध लोगों को मुक्ति दिलाने की।
17. 'अट नहीं रही है' कविता फागुन मास की मस्ती और शोभा का वर्णन करती है। कवि ने कहा है कि फागुन मास की शोभा अपने में समा नहीं पा रही है इसलिए वह बाहर छलक-छलक पड़ती है। कहीं सुगंधित हवाएँ हैं, कहीं बागों एवं घरों में रंग-बिरंगे फूल उगे हैं, कहीं आकाश में पक्षियों की टोलियाँ कलरव करती हुई उड़ान भर रही हैं। कहीं वृक्षों पर नए पत्ते सुशोभित हैं। इस प्रकार जगह-जगह फाल्गुन का सौंदर्य बिखरा पड़ा है।
18. 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो' कथन के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है कि फागुन के सौन्दर्य को देखकर कवि के भावुक हृदय में भी कल्पनाओं के पंख लग जाते हैं और वह उड़ान भरने लगता है। अर्थात उसका मन आनंदित हो जाता है।
19. यदि 'उत्साह' कविता को कोई अन्य शीर्षक देना चाहें तो हम उसे 'जीवन की आशा' शीर्षक देना चाहेंगे क्योंकि जब हमारे मन में आशा होगी, तो ही हम नए परिवर्तन को स्वीकार कर आगे बढ़ सकते हैं। बिना आशा के हमारा जीवन नीरस हो जाएगा।
20. i. कवि लोगों के मन को सुख से भर देने वाले बादलों से गर्जना करने के लिए आग्रह करता है क्योंकि वह चाहता है कि बादल अपनी गर्जना से वातावरण में उत्साह, पौरुष और क्रांति का संचार करके संपूर्ण संसार को जोश से भर दें।

    ii. बादल के बाल (केश) सुंदर, काले-काले घुंघराले हैं। कवि ने बादल की तुलना बाल कल्पना से की है। क्योंकि जिस प्रकार बच्चों की कल्पनाएँ मधुर होती हैं तथा पल-पल बदलती रहती हैं इसी प्रकार बादल भी बार-बार अपना रूप बदलते रहते हैं।

    iii. कवि के अनुसार नूतन कविता ऐसी होनी चाहिए जो जनमानस के मन में नवजीवन व चेतना का संचार कर सके। कविता के स्वर को सुन संपूर्ण संसार उत्साह से भर उठे।
21. **i.** (ब) फागुन

    ii. (अ) जगह-जगह

    iii. (अ) सुगंधित हवाओं का

    iv. (ब) सौन्दर्य से भरपूर

    v. (द) रंग-बिरंगी पत्तियों

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App